पत्र सूचना शाखा,
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
————————

राज्यपाल ने धर्म समाज कालेज ऑफ फार्मेसी के नवनिर्मित भवन का आनलाइन लोकार्पण किया

————————

लखनऊ : 26 अक्टूबर, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन से धर्म समाज कालेज ऑफ फार्मेसी, अलीगढ़ के नवनिर्मित भवन का आनलाइन लोकार्पण करते हुए कहा कि भवन में आधुनिक पुस्तकालय, कम्प्यूटर कक्ष तथा अत्याधुनिक कान्फ्रेंस हाल सहित सुसज्जित प्रयोगशालाएं शोध करने वाले विद्यार्थियों के लिये महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि फार्मेसी के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की औषधियों का ज्ञान, उनकी क्रिया विधि, साइड इफेक्ट्स, अंतर क्रिया के साथ उपचार तथा रोग विज्ञान की जानकारी भी आती है। एक अच्छे फार्मेसिस्ट के लिए इन गुणों का होना बहुत जरूरी है, क्योंकि फार्मेसिस्ट को ही चिकित्सकों द्वारा बताई गई दवा को कैसे खाना है, की जानकारी मरीजों को देनी होती है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारे चिकित्सा संस्थान कौशल तकनीक संवर्द्धन, स्थानीय संसाधनों, श्रम शक्ति को सशक्त करते हुए 'आत्मनिर्भर भारत' के अभियान में सहयोग करें ताकि हमारा समाज और राष्ट्र स्वस्थ, सतर्क और सशक्त बना रहे। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के रूप में शिक्षण संस्थाओं को अवसर मिला है कि समाज की वर्तमान चुनौतियों के समाधान और भविष्य की जरूरतों के अनुसार शिक्षण व्यवस्था में परिवर्तन कर ऐसा पाठ्यक्रम तैयार करें, जिसमें युवाओं को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जा सके।

राज्यपाल ने कहा कि सामाजिक स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत औषधियों की उपयोगिता एवं उनके हानिकारक प्रभावों पर जागरूकता फैलाने की जरूरत है। रोजगार की दृष्टि से फार्मेसी संस्थानों का योगदान दिन प्रति दिन बढ़ता ही जा रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि स्वास्थ्य सेवा से जुड़े सभी लोग केन्द्र एवं राज्य सरकार की स्वास्थ्य क्षेत्र में चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं के सफल संचालन में अपना सहयोग देने के लिए तत्पर रहें, ताकि जिनके लिये इस प्रकार की योजना शुरू की गई है, उनको इसका पूरा फायदा मिले और वे स्वस्थ रहकर देश के विकास में अपना सहयोग दे सकें।

श्रीमती अनंदीबेन पटेल ने कहा कि सरकार की जन औषधि योजना में जनसाधारण को सस्ती औषधि उपलब्ध कराने में फार्मेसी संस्थानों का प्रमुख योगदान है। उन्होंने कहा

कि ग्रामीण अंचलों में फार्मेसिस्ट की नियुक्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा स्वस्थ इण्डिया योजना के अन्तर्गत मील का पत्थर साबित होगी। शहरी स्वास्थ्य योजना के अन्तर्गत शहर की मलिन बस्तियों के लिए स्वास्थ्य योजनाओं को लागू करने मे फार्मेसिस्टों का सहयोग लिया जाता है। चिकित्सा के क्षेत्र में फार्मेसिस्टों की जिस प्रकार से मांग बढ़ रही है, उससे आने वाले समय में फार्मेसिस्ट 'हेल्थ केयर सिस्टम' का एक महत्वपूर्ण अंग होंगे।

राज्यपाल ने कहा कि सांइस और टेक्नालॉजी विकास के लिये बहुत आवश्यक है। देश का सतत विकास इसी पर टिका हुआ है। गरीबी के खिलाफ लड़ाई जीतने और एक समान प्रगति के लिये वैज्ञानिक समुदाय के कार्यों से लाभ उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज का समय नई–नई तकनीकियों का है, ऐसे में फार्मेसिस्टों के कार्य क्षेत्र भी बढ़े हैं। इंटरनेट के माध्यम से फार्मेसी कंसलटेंट का कार्य हो रहा है, जो मरीजों को दवाइयों के इस्तेमाल करने के तरीके और उनके इस्तेमाल के नुकसान के बारे में जानकारी देते हैं।

इस अवसर पर डा0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति डा0 अशोक मित्तल, धर्म समाज सोसाइटी के अध्यक्ष श्री महेश नन्दन अग्रवाल, सचिव श्री संजीव अग्रवाल, धर्म समाज कॉलेज आफ फार्मेसी के प्राचार्य डा0 लाल रत्नाकर सिंह एवं धर्म समाज महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 हेम प्रकाश आनलाइन जुड़े हुए थे।

————

ओ0पी0राय / राजभवन (53 / 16)

राजभवन उत्तर प्रदेश

Support
Siddhant Srivas...
Recording
Shashank Agarwal
Stop Video
Participants
Chat
Share Screen
Record
Reactions